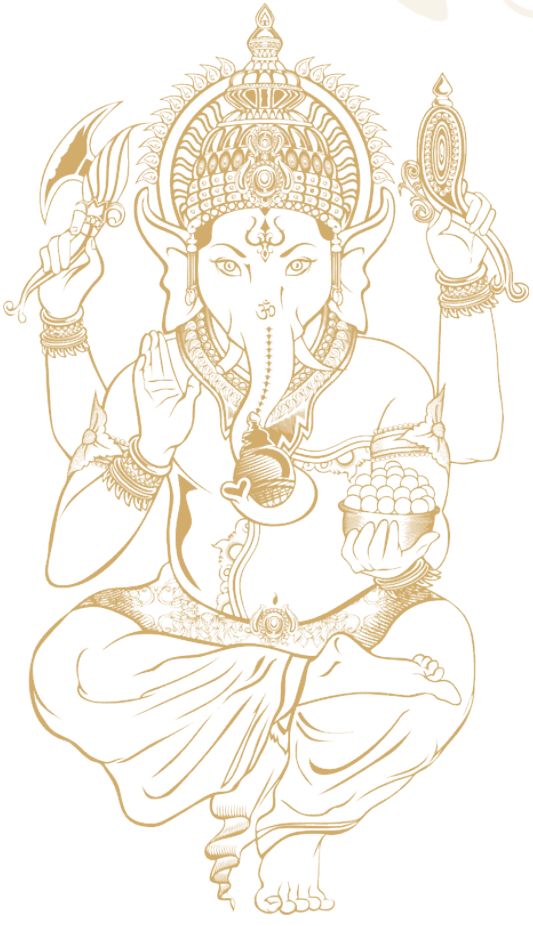

Priyanks

25 Jul 1993

08:28 AM

Lalitpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121363305

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25/07/1993**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:28:00 घंटे**
इष्ट	06:57:07 घटी
स्थान	**Lalitpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:42:00 उत्तर
रेखांश	78:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:11:36 घंटे
वेलान्तर	-00:06:29 घंटे
साम्पातिक काल	04:22:56 घंटे
सूर्योदय	05:41:09 घंटे
सूर्यास्त	19:04:16 घंटे
दिनमान	13:23:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	08:25:19 कर्क
लग्न के अंश	14:16:24 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पैनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:16:24	324:03:37	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	08:25:19	00:57:19	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	25:00:04	14:15:05	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	25:07:00	00:36:40	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध	व		मिथु	24:24:09	00:04:16	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	स्वराशि
गुरु			कन्या	14:59:38	00:08:17	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	27:20:35	01:07:42	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	05:01:26	00:03:47	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	17:05:49	00:01:51	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	17:05:49	00:01:51	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
हर्ष	व		धनु	25:56:12	00:02:20	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
नेप	व		धनु	25:38:45	00:01:34	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	28:58:12	00:00:17	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			वृष	13:45:41	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:19

लग्न-चलित

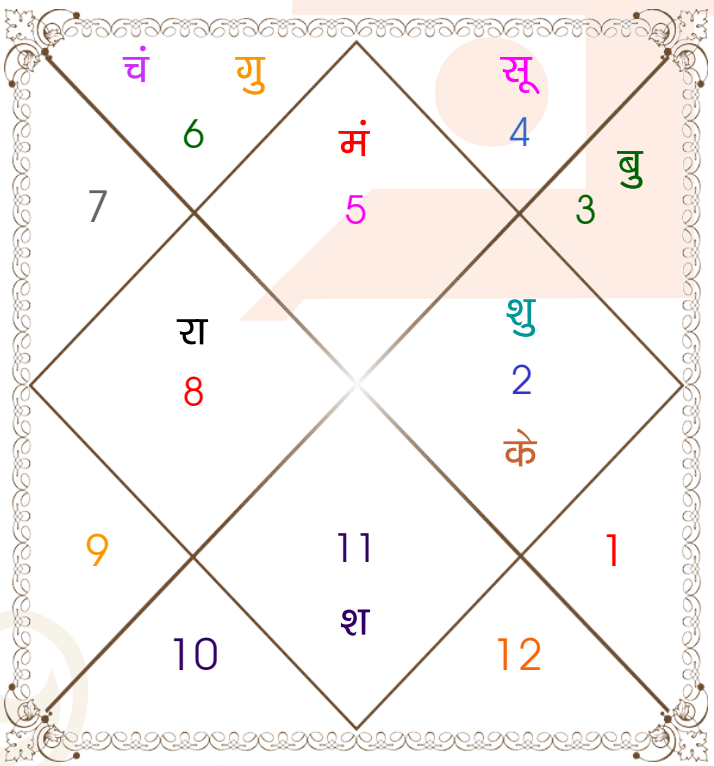

चन्द्र कुंडली

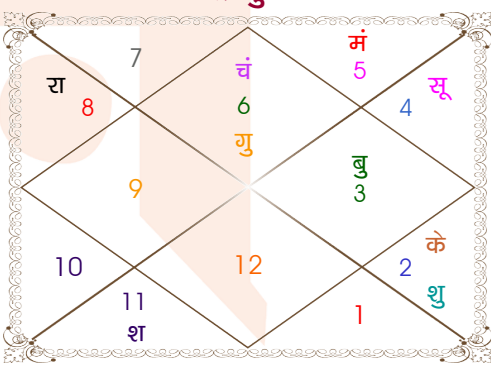

नवमांश कुंडली

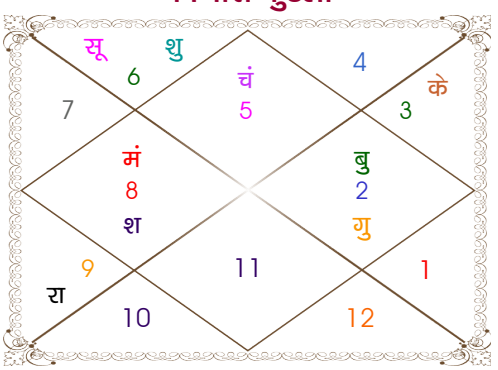

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 1 मास 15 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
25/07/1993		09/09/1999		08/09/2017		08/09/2033		08/09/2052	
09/09/1999		08/09/2017		08/09/2033		08/09/2052		08/09/2069	
	25/07/1993	राहु	22/05/2002	गुरु	28/10/2019	शनि	11/09/2036	बुध	05/02/2055
राहु	23/02/1994	गुरु	15/10/2004	शनि	10/05/2022	बुध	22/05/2039	केतु	02/02/2056
गुरु	30/01/1995	शनि	22/08/2007	बुध	15/08/2024	केतु	30/06/2040	शुक्र	03/12/2058
शनि	09/03/1996	बुध	10/03/2010	केतु	22/07/2025	शुक्र	31/08/2043	सूर्य	09/10/2059
बुध	07/03/1997	केतु	28/03/2011	शुक्र	22/03/2028	सूर्य	12/08/2044	चंद्र	10/03/2061
केतु	03/08/1997	शुक्र	28/03/2014	सूर्य	08/01/2029	चंद्र	13/03/2046	मंगल	07/03/2062
शुक्र	03/10/1998	सूर्य	20/02/2015	चंद्र	10/05/2030	मंगल	22/04/2047	राहु	23/09/2064
सूर्य	08/02/1999	चंद्र	21/08/2016	मंगल	16/04/2031	राहु	26/02/2050	गुरु	30/12/2066
चंद्र	09/09/1999	मंगल	08/09/2017	राहु	08/09/2033	गुरु	08/09/2052	शनि	08/09/2069

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/09/2069		08/09/2076		08/09/2096		10/09/2102		09/09/2112	
08/09/2076		08/09/2096		10/09/2102		09/09/2112		00/00/0000	
केतु	04/02/2070	शुक्र	09/01/2080	सूर्य	27/12/2096	चंद्र	11/07/2103	मंगल	05/02/2113
शुक्र	07/04/2071	सूर्य	08/01/2081	चंद्र	27/06/2097	मंगल	09/02/2104	राहु	26/07/2113
सूर्य	12/08/2071	चंद्र	09/09/2082	मंगल	02/11/2097	राहु	10/08/2105		00/00/0000
चंद्र	12/03/2072	मंगल	09/11/2083	राहु	27/09/2098	गुरु	10/12/2106		00/00/0000
मंगल	09/08/2072	राहु	08/11/2086	गुरु	16/07/2099	शनि	10/07/2108		00/00/0000
राहु	27/08/2073	गुरु	09/07/2089	शनि	28/06/2100	बुध	10/12/2109		00/00/0000
गुरु	03/08/2074	शनि	08/09/2092	बुध	04/05/2101	केतु	11/07/2110		00/00/0000
शनि	12/09/2075	बुध	10/07/2095	केतु	09/09/2101	शुक्र	10/03/2112		00/00/0000
बुध	08/09/2076	केतु	08/09/2096	शुक्र	10/09/2102	सूर्य	09/09/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 1 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।